

पाठ - 13 जहाँ पहिया हैं

जंजीरे:

उत्तर1: लेखक जंजीरों द्वारा रूढ़िवादी प्रथाओं की ओर इशारा कर रहा है।

उत्तर2: "...उन जंजीरों को तोड़ने का जिनमें वे जकड़े हुए हैं, कोई-न-कोई तरीका लोग निकाल ही लेते हैं.. लेखक के इस कथन से हम सहमत हैं क्योंकि मनुष्य स्वभावानुसार अधिक समय तक बंधनों में नहीं रह सकते। समाज द्वारा बनाई गई रूढ़ियाँ अपनी सीमाओं को लाँघने लगे तो समाज में इसके विरुद्ध एक क्रांति अवश्य जन्म लेती है। जो इन रूढ़ियों के बंधनों को तोड़ डालती है। ठीक वैसे ही तमिलनाडु के पुडुकोट्टई गाँव में हुआ है। महिलाओं ने अपनी स्वाधीनता व आज़ादी के लिए साइकिल चलाना आरंभ किया और वह आत्मनिर्भर हो गई।

पहिया:

उत्तर1: 'साइकिल आंदोलन' से पुडुकोट्टई की महिलाओं के जीवन में निम्नलिखित बदलाव आए -

1. महिलाएँ अपनी स्वाधीनता व आज़ादी के प्रति जागृत हुईं।
2. कृषि उत्पादों को समीपवर्ती गाँवों में बेचकर उनकी आर्थिक स्थिति सुधरी व आत्मनिर्भर हो गई।
3. समय और श्रम की बचत हुई।
4. स्वयं के लिए आत्मसम्मान की भावना पैदा हुई।

उत्तर2: शुरुआत में पुरुषों ने इस आंदोलन का विरोध किया क्योंकि उन्हें डर था इससे नारी समाज में जागृति आ जाएगी। आर. साइकिल्स के मालिक गाँव के एकमात्र लेडीज साइकिल डीलर थे, इस आंदोलन से उसकी आय में वृद्धि होना स्वभाविक था। इसलिए उसने स्वार्थवश आंदोलन का समर्थन किया।

उत्तर3: फातिमा ने जब इस आंदोलन की शुरुआत की तो उसको बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उसे लोगों की फ़ब्तियाँ (गंदी टिप्पणियाँ) सुननी पड़ी। फातिमा मुस्लिम परिवार से थी। जो बहुत ही रूढ़िवादी थे। उन्होंने उसके उत्साह को तोड़ने का प्रयास किया। पुरुषों ने भी इसका बहुत विरोध किया। दूसरी कठिनाई यह थी कि लेडीज साइकिल वहाँ पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं थी।

शीर्षक की बात:

उत्तर1: तमिलनाडु के रूढ़िवादी पुडुकोट्टई गाँव में महिलाओं का पुरुषों के विरुद्ध खड़े होकर 'साइकिल' को अपनी जागृति के लिए चुनना बहुत बड़ा कदम था। पहिए को

NCERT Solution

गतिशीलता का प्रतीक माना जाता है और इस साइकिल आंदोलन से महिलाओं का जीवन भी गतिशील हो गया। लेखक ने इस पाठ का नाम 'जहाँ पहिया है' तमिलनाडु के पुडुकोट्टई गाँव के 'साइकिल आंदोलन' के कारण ही रखा होगा।

उत्तर2: 'साइकिल करेंगी-महिलाओं को आत्मनिर्भर' भी इस पाठ के लिए उपयुक्त नाम हो सकता था चूँकि साइकिल आंदोलन से महिलाएँ अपनी स्वाधीनता व आज़ादी के प्रति जागृत हुईं। कृषि उत्पादों को समीपवर्ती गाँवों में बेचकर उनकी आर्थिक स्थिति सुधरी व आत्मनिर्भर हो गई।

साइकिल:

उत्तर2: फातिमा के गाँव में पुरानी रूढ़िवादी परम्पराएँ थीं। वहाँ औरतों का साइकिल चलाना उचित नहीं माना जाता था। इन रूढ़ियों के बंधनों को तोड़कर स्वयं को पुरुषों की बराबरी का दर्जा देकर फातिमा और पुडुकोट्टई की महिलाओं को 'आज़ादी' का अनुभव होता होगा।

भाषा की बात:

उत्तर1:

उपसर्ग

अभि - अभिमान

प्र - प्रयत्न

अनु - अनुसरण

परि - परिपक्व

वि - विशेष

प्रत्यय

इक - धार्मिक (धर्म + इक)

वाला - किस्मतवाला (किस्मत + वाला)

ता - सजीवता (सजीव + ता)

ना - चढ़ना (चढ़ + ना)

नव - नव + साक्षर (नवसाक्षर)

गतिशील - गतिशील + ता (गतिशीलता)